>

Title: Need to provide new railway lines from Sitapur to Bahraich in Uttar Pradesh.

श्रीमती कैसर जहां (सीतापुर): आदरणीय सभापति महोदय, मैं आभारी हूं कि आपने मुझे अपने क्षेत्र की समस्याओं के संबंध में सदन में बोलने का मौका दिया। मैं इस सदन के माध्यम से माननीय मंत्री जी का ध्यान अपने क्षेत्र में रेल से संबंधित कुछ बड़ी समस्याओं की ओर दिलाना चाहती हूं। मेरे लोक सभा क्षेत्र सीतापुर का अधिकतर इलाका आजादी के 65 वर्षों के बाद भी रेल सुविधाओं से वंचित है या जहां सुविधाएं हैं, वहां नीचे दर्जे की हैं। सीतापुर, बिसवां एवं महमूदाबाद रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों के लिए सुविधाएं बस नाम भर की ही हैं। सीतापुर जिले के बड़े कस्बों में से एक खैराबाद कस्बा है, जहां एक रेलवे क्रासिंग पड़ती है। वह अक्सर ट्रेन के आने से घंटों पहले बंद कर दी जाती है और ट्रेन चले जाने के बाद भी नहीं खोली जाती है, अगली ट्रेन का इंतजार किया जाता है। इस कस्बे में एक बड़ा अस्पताल है, जहां इस रेलवे क्रासिंग का अक्सर बंद होने के कारण मरीज समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाते।

मैं सदन के माध्यम से माननीय मंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगी कि इस रेलवे क्रासिंग को सुचारू रूप से चलाने हेतु संबंधित अधिकारियों को आश्यक निर्देश देने की कृपा करें।

भारतीय रेल के लगभग 160 वर्षों के बाद भी हमारे क्षेत्र के लहरपुर, रेउसा और तम्बौर आदि प्रमुख कस्बों में आज भी रेल सुविधाएं नहीं पहुंच सकी हैं जिससे इन इलाकों में रहने वाली आम जनता, बुनकरों एवं व्यापारियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

अतः मैं सदन के माध्यम से माननीय रेल मंत्री से आग्रह करती हूं कि सीतापुर से बहराइच तक लहरपुर, रेउसा, तम्बौर होते हुए नयी रेल लाइन से उसे जोड़ने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का कष्ट करें तथा सीतापुर, बिसवां एवं महमूदाबाद रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को ऊंचे दर्जे की समुचित सुविधाएं प्रदान करने हेतु आवश्यक कदम उठाये जायें।

सभापति महोदय : श्री कमल किशोर 'कमांडो' अपने आपको श्रीमती कैसर जहां के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं माननीय सदस्या की यह मैडन स्पीच है, इसलिए आप लोग हौसला आफजाई करें।